मौनी अमावस्या : टोक्यो और शंघाई की आबादी से भी ज्यादा श्रद्धालुओं ने डुबकी लगाई

प्रयागराज | आनंद मिश्र

प्रयागराज ने सोमवार को दुनिया की सबसे ज्यादा जनसख्या वाले जापान और चीन के दो शहरों टोकियो तथा शंघाई को भी पीछे छोड़ दिया। मौनी अमावस्या पर दूसरे शाही स्नान में कुम्भ में पांच करोड़ से अधिक श्रद्धालु पहुंचे। जबकि टोक्यो की आबादी पौने चार करोड़ और शंघाई की करीब 2.37करोड़ है।

15 जनवरी को हुए मकर संक्रांति के पहले शाही स्नान पर प्रयागराज की जनसंख्या शंघाई तो मौनी अमावस्या के दूसरे शाही स्नान पर टोक्यो से ज्यादा रही। एशिया महाद्वीप के देश जापान की राजधानी टोक्यो की गिनती विश्व के सर्वाधिक आबादी वाले शहरों में पहले पायदान पर होती है। यहां की आबादी तीन करोड़ 80 लाख है जबकि सोमवार को पांच बजे तक पांच करोड़ लोगों के पुण्य की डुबकी लगाने की आधिकारिक सूचना दी गई। 2.37 करोड़ आबादी के साथ शंघाई सर्वाधिक जनसंख्या वाला विश्व का तीसरा शहर है।

प्रयागराज में सोमवार को मौनी अमावस्या के मौके पर दूसरे शाही स्नान के दौरान संगम में करोड़ों लोगों ने डुबकी लगाई। • एपी

आस्था

प्रयागराज में सोमवार को मौनी अमावस्या पर शाही स्नान के लिए केंद्रीय राज्य मंत्री और भाजपा नेता साध्वी निरंजन ज्योती भी पहुंचीं। • प्रेट्र

शस्त्र प्रदर्शन देख लोगों ने दांतों तले दबाई उंगली

प्रयागराज। अन्य अखाड़ों की तरह बैरागी अखाड़ों के शाही स्नान में चमक-दमक नहीं थी। जूना अखाड़े के बाद अखिल भारतीय श्री पंच निर्वाणी अनी अखाड़ा के संत व श्रद्धालु जय श्रीराम के नारे लगाते हुए लगभग 10 बजे शाही स्नान करने निकले।

गंगाजल और संगम की रेती लेकर लौटे श्रद्धालु

प्रयागराज। मौनी अमावस्या के पुण्य स्नान के साथ सूर्यदूव को अर्घ्य और मां गंगा के पूजन के साथ श्रद्धालु गंगाजल और संगम की रेती ले जाना नहीं भूले। किसी ने आंचल तो किसी ने गमछे में ही पवित्र धरती की रेती गठिया ली। श्रद्धालुओं की आस्था देखते ही बन रही थी।

प्रयागराज में सोमवार को मौनी अमावस्या पर संगम में शाही स्नान के दौरान किन्नर अखाड़ा प्रमुख लक्ष्मी नारायण त्रिपाठी। • हिन्दुस्तान

किन्नर अखाड़े की झलक पाने के लिए लगी होड़

प्रयागराज। किन्नर अखाड़े के साधु-संतों का शाही स्नान आम श्रद्धालुओं के लिए आकर्षण का केन्द्र रहा। जूना और पंच अग्नि अखाड़े के पीछे आए किन्नर अखाड़े के साधु संत जब संगम नोज पहुंचे तो जय महाकाल के नारे दोनों ओर से लगाए गए। किन्नर अखाड़े के आराध्य महाकाल और वर्चुआ देवी की सवारी थी। अखाड़ा प्रमुख लक्ष्मी नारायण त्रिपाठी अपने रथ पर सवार रहे। जैसे ही अखाड़े के संत दिखाई दिए श्रद्धालु सुरक्षा घेरा तोड़कर अंदर घुस गए। संतों को घेरा और बलइयां उतरवाई। अखाड़े के संतों ने भी किसी को निराश नहीं किया। सभी का अभिवादन स्वीकार किया। लोगों ने अपनी जेब से नोट और सिक्का दिया।

मौनी अमावस्या पर संतों और श्रद्धालुओं पर हेलीकॉप्टर से पुष्प वर्षा होती रही

संगम में श्रद्धा-संस्कृति का सैलाब

अद्भुत नजारा

प्रयागराज | वरिष्ठ संवाददाता

कुम्भ के मुख्य स्नान मौनी अमावस्या पर सोमवार को गंगा, यमुना व अदृश्य सरस्वती के संगम व अन्य घाटों पर पुण्य की डुबकी लगाने को आस्था का सैलाब उमड़ा पड़ा। प्रशासन का दावा है रविवार रात 12 बजे से सोमवार शाम पांच बजे तक पांच करोड़ लोगों ने स्नान किया। सभी अखाडों के संतों ने शाही अंदाज में संगम घाट पर डुबकी लगाई। इस दौरान आम श्रद्धालुओं व संतों पर हेलीकॉप्टर से फूलों की वर्षा होती रही।

पिछले दो दिनों से स्नान के लिए आ रही भीड़ रविवार आधी रात के बाद अचानक कई गुना बढ़ गई। शहर के हर प्रवेश द्वार से हर कदम संगम की तरफ ही बढ़ रहा था। गठरी, झोला और बोरा लादे लोगों की आंखों में एक ही ललक थी कि बस किसी तरह से त्रिवेणी संगम के दर्शन हो जाएं। प्रशासन ने संगम क्षेत्र में स्नान के लिए आठ किलोमीटर के क्षेत्रफल में 40 घाट बनाए थे। सभी घाटों पर 11.12 बजे पुण्यकाल शुरू होने के साथ ही स्नान का क्रम तेज हो गया। भोर में श्रद्धालुओं की भीड़ और तेजी के साथ बढ़ गई। सारे घाट ठसाठस थे। हालात यह हो गई कि बालसन चौराहे से ही श्रद्धालुओं को डायवर्ट कर दिया गया।

अपनी छावनी से शाही स्नान के लिए ट्रैक्टर पर सवार होकर अखाड़े के संत महात्मा अपने आराध्य और आचार्य महामंडलेश्वर की अगुआई में निकले तो उनकी झलक पाने के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। संगम पर अखाड़ा मार्ग सुरक्षित रखा गया। इसके साथ ही बराबर एक स्थान और सुरक्षित रखा गया। सबसे पहले अखाड़ों में महानिर्वाणी और अटल अखाड़े ने शाही स्नान किया तो बाद में निरंजनी और आनंद अखाड़े ने, पीछे जूना, आवाहन, अग्नि, और किन्नर अखाड़े ने। फिर नया उदासीन, बड़ा उदासीन और बाद में निर्मल अखाड़े के संतों ने संगम में डुबकी लगाई।

प्रयागराज में सोमवार को मौनी अमावस्या पर शाही स्नान करते नागा साधु। • हिन्दुस्तान

सारे पांटून पुल श्रद्धालुओं से भर गए

12:30 बजे दोपहर तक जबर्दस्त भीड़ के कारण वीआईपी के लिए रिजर्व रखी गई लाल सड़क को खोलना पड़ा। सारे पांटून पुल श्रद्धालुओं से भरे होने के कारण रिजर्व रखे गये पांटून पुलों तीन व सात को भी खोलना पड़ा। इन पर भी भीड़ बढ़ गई। स्नान के बाद घाटों पर दान, भंडारे का क्रम चलता रहा। मेला प्रशासन के अधिकारियों ने कहा कि स्नान शांति पूर्ण ढंग से संपन्न हुआ।

अब तक साढ़े 12 करोड़ श्रद्धालु कर चुके हैं स्नान

उत्तर प्रदेश सरकार ने दावा किया है कि प्रयागराज में चल रहे कुंभ मेले में 14 जनवरी से आज सोमवती मौनी अमावस्या तक करीब 12 .50 करोड़ अधिक श्रद्धालु स्नान कर चुके हैं। सोमवार को कुम्भ मेले के राष्ट्रीय मीडिया केंद्र से जारी एक विज्ञप्ति में यह कहा गया है।

जूना अखाड़े के बीच घुसे लोग पैदल ही चले महामंडलेश्वर

प्रयागराज | वरिष्ठ संवाददाता

परेशानी

- प्रशासन की लापरवाही से शाही स्नान मार्ग की मर्यादा तार-तार
- आचार्य महामंडलेश्वर, संतों के बीच एक किमी पब्लिक की भीड़

मौनी अमावस्या पर अखाड़ों के शाही स्नान में अव्यवस्था ने प्रशासन के सारे दावों का पोल खोल दी। 13 अखाड़ों में सबसे बड़े जूना अखाड़े के महामंडलेश्वरों के शाही मार्ग पर हजारों की संख्या में पब्लिक घुसने के कारण सारे इंतजाम फेल हो गए। शाही जुलूस के बीच में पब्लिक के घुसने से जूना अखाड़े के संत तय समय से 35 मिनट देरी से संगम नोज पर पहुंच सके।

त्रिवेणी मार्ग पुल नंबर चार से अखाड़ों के संगम नोज तक जाने का रास्ता बनाया गया था। इस मार्ग से होकर महानिर्वाणी और अटल अखाड़ा निर्धारित समय 6.15 बजे से 25 मिनट पहले घाट पर पहुंच गये जबकि निरंजनी और आनंद अखाड़े के नागा और संत अपने निर्धारित समय 7.05 मिनट पर स्नान घाट आ चुके थे। लेकिन पांचवें नंबर पर आ रहे जूना व आवाहन अखाड़े के संतों को खासी परेशानी उठानी पड़ी। जुलूस के आगे-आगे हजारों नागा निकल गये। उनके पीछे जूना अखाड़े के आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी अवधेशानंद गिरि का रथ भी पीपा पुल पार कर गया। लेकिन उनके रथ के पीछे तकरीबन एक किमी लंबी पब्लिक की भीड़ लग गई। इसके चलते स्थिति यह हुई की जब स्वामी अवधेशानंद का रथ पुल पार कर गया तो उनके पीछे चल रहा स्वामी वासुदेवानंद का रथ छावनी से बाहर निकल सका।

जुलूस का तारतम्य टूट गया। बड़ी संख्या में महामंडलेश्वर जाम में फंसे रहे। ईश्वर की कृपा थी की कोई हादसा नहीं हुआ। वापसी में भी जाम लगने के कारण महामंडलेश्वरों को एक किमी दूर अपना रथ छोड़कर पब्लिक से धक्का-मुक्की करते छावनी तक जाना पड़ा।

20 हजार फुट ऊपर विमान का इंजन बंद

लखनऊ। एक बार फिर इंडिगो का नियो इंजन वाला विमान यात्रियों की जान के लिए आफत बन गया।

ताजा मामला 31 जनवरी का है जब दिल्ली के लिए उड़ान भर चुका इंडिगो का विमान 6ई 447 का एक इंजन 20 हजार फुट पर बंद हो गया। पायलट और को पायलट ने किसी तरह विमान को सकुशल वापस लखनऊ उतारा। 15 दिन में इस तरह की यह दूसरी घटना है। **(प्र.सं.)**

राजस्थान की सरकारी मशीनरी में जंग : कोर्ट

नई दिल्ली | विशेष संवाददाता

सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को कहा कि राजस्थान में समूची सरकारी मशीनरी को जंग लगा हुआ है और राज्य के अरावली इलाके में गैरकानूनी खनन में संलिप्त लोगों के साथ अफसरों की मिलीभगत है।

जस्टिस अरुण मिश्रा की पीठ ने अरावली क्षेत्र में वनस्पति और जीव नष्ट किए जाने पर नाराजगी व्यक्त की। इस क्षेत्र में गैरकानूनी खनन की सच्चाई का पता लगाने की कवायद पूरा नही होने की वजह हाल ही में संपन्न विधानसभा चुनाव व आगामी आम चुनाव बताने पर न्यायालय ने राजस्थान सरकार को आड़े हाथ लिया। पीठ ने शीर्ष कोर्ट के आदेश पर अमल नहीं होने और लापरवाही करने वाले अधिकारियों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं करने के बारे में स्पष्टीकरण देने के लिए राज्य के मुख्य सचिव को 8 फरवरी को पेश होने का निर्देश दिया है।

क्या हम आपकी दया पर हैं : पीठ

शीर्ष कोर्ट अरावली पर्वत श्रृंखला में गैरकानूनी खनन गतिविधियों से संबंधित मामले की सुनवाई कर रही है। पीठ ने कहा, यह सब क्या है। इस तरह के रवैये से इस न्यायालय में नहीं आएं। यह नहीं कहें कि अब यह चुनाव है और तब वह चुनाव। आप इस काम को करना नहीं चाहते हैं। आप और आपके अधिकारियों की उनके साथ साठगांठ है।

हिन्दुस्तान नियुक्तियां

दिल्ली विकास प्राधिकरण

भर्ती सूचना

डीडीए, मुख्य अभियंता (सिविल) (7वाँ सीपीसी के अनुसार लेवल–14, वेतन मैट्रिक्स में तथा 6 वें सीपीसी के अनुसार रु. 10,000/–, ग्रेड पे के साथ पे बैंड–4) के चार पदों के लिए प्रतिनियुक्ति के आधार पर केंद्र/राज्य/संघ शासित प्रदेशों के अधिकारियों या सार्वजनिक कार्यों या टाउन प्लानिंग से जुड़े संगठनों के अधिकारियों से निर्धारित प्रारूप में आवेदन आमंत्रित करता है, ।

पात्रता संबंधी आवश्यकताओं, नियमों और शर्तों आदि के बारे में पूरी जानकारी के लिए कृपया डीडीए की वेबसाइट **www.dda.org.in** पर लिंक **"Jobs"** देखें।

आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि **31.03.2019** है।

आयुक्त (कार्मिक)

कृपया Google play के **DDA** ऐप्स पर अपना फीडबैक दें।

कृप्या दि.वि.प्रा. की वेबसाइट www.dda.org.in देखिए या टोल फ्री नं0 1800110332 डायल करें

चिकित्सा निदेशक का कार्यालय
डॉ0 बाबा साहेब अम्बेडकर अस्पताल
(दिल्ली की एनसीटी की सरकार)
सेक्टर-6, रोहिणी, दिल्ली-110085

अधीक्षक (अस्पताल प्रबंधक) के पद के लिए आवेदन

अधीक्षकों (अस्पताल प्रबंधकों) के पद को भरने के लिए पात्र उम्मीदवारों से आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं।

दो (2) पद प्रत्येक अधीक्षक के लिए (1. उपकरणों और स्टोर प्रबंधकों, 2. कार्यवाहक प्रबंधक (Caretaking Manager) 3. सुविधा प्रबंधकों, 4. रोगी देखभाल/सुविधा प्रबंधकों) अनुबंध के आधार पर शुरू में 01 (एक वर्ष) की अवधि के लिए।

वॉक-इन-इंटरव्यू 12.02.2019 को आयोजित किया जाएगा। उम्मीदवारों को सुबह 9 से 11 बजे के बीच रिपोर्ट करना आवश्यक है। (विवरण के लिए कृपया दिल्ली सरकार की स्वास्थ्य विभाग की आधिकारिक वेबसाइट देखें)

http://www.delhi.gov.in/wps/wcm/connect/doit_health/Health/Home/vacancy+and+result/

और डॉ0 बीएसए अस्पताल की वेबसाइट http://delhi.gov.in/wps/wcm/connect/DOIT_DBSAH/dbsah/home

ह0/- **(DR. M.M. KOHLI)**
DIP/Shabdarth/2887/18-19 **MEDICAL DIRECTOR**

भारत सरकार
सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय
दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग

भारतीय पुनर्वास परिषद् के अध्यक्ष की नियुक्ति

भारतीय पुनर्वास परिषद अधिनियम 1992, (यहां इसके बाद 'दि एक्ट' (अधिनियम)) की धारा 3(1) के तहत गठित, सांविधिक निकाय, भारतीय पुनर्वास परिषद् (आरसीआई) के अध्यक्ष के पद हेतु के रूप में नियुक्ति हेतु उपयुक्त अभ्यर्थियों से आवेदन आमंत्रित हैं। आरसीआई को पुनर्वास तथा विशेष शिक्षा के क्षेत्र में कार्मिकों तथा व्यावसायिकों के प्रशिक्षण के मानकीकरण तथा विनियमन करने का दोहरा दायित्व सौंपा गया है। अधिनियम की धारा-3 के अनुसार, केन्द्रीय सरकार द्वारा पुनर्वास, दिव्यांगता तथा विशेष शिक्षा के क्षेत्र में व्यावसायिक योग्यता के साथ-साथ प्रशासन में अनुभव रखने वाले अभ्यर्थियों में से अध्यक्ष की नियुक्ति की जानी है। आवेदन पत्र सहित, पात्रता मानदंड तथा सभी अन्य संगत विवरण विभाग की वेबसाइट **www.disabilityaffairs.gov.in** पर उपलब्ध हैं।

2. इम्प्लायमेंट न्यूज/रोजगार समाचार और मंत्रालय की वेबसाइट पर बताए गए पात्रता मानदंड को पूरा करने वाले अभ्यर्थी इम्प्लायमेंट न्यूज/रोजगार समाचार में इस विज्ञापन के प्रकाशन के 30 दिनों के भीतर सहायक दस्तावेजों के साथ विहित प्रपत्र में श्रीसौरांशु सिन्हा, अवर सचिव दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग, सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, कमरा सं. 510, पांचवा तल, पंडित दीनदयाल अंत्योदय भवन, सीजीओ काम्पलैक्स लोधी रोड, नई दिल्ली - 110003 को आवेदन कर सकते हैं।

3. जिन उम्मीदवारों ने अध्यक्ष, आरसीआई पद के लिए पहले आवेदन किया था उनसे नए सिरे से आवेदन करना अपेक्षित है।

डी.ए.वी.पी. 38117/11/0121/1819

राष्ट्रीय राजमार्ग एवं अवसंरचना विकास निगम लिमिटेड
(भारत सरकार का उपक्रम)
NHIDCL BUILDING INFRASTRUCTURE - BUILDING THE NATION
BHARATMALA ROAD TO PROSPERITY
निगमित कार्यालय: तृतीय तल, पीटीआई भवन, 4-संसद मार्ग, नई दिल्ली-110001

निम्नलिखित पदों के लिए स्थानांतरण पर प्रतिनियुक्ति आधार पर केंद्र सरकार मंत्रालयों/विभागों, स्वशासी निकायों, सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रमों, राज्य सरकारी विभागों और राज्य सरकारी सार्वजनिक उपक्रमों में कार्यरत उर्जस्वी, प्रभावक और अनुभवी पात्र अधिकारियों से आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं:-

पद का नाम और सम्भावित रिक्ति	रिक्तियों की संख्या*	सीडीए पैटर्न में पे मैट्रिक्स लेवल
उप महाप्रबंधक (टी/पी) [मुख्यालयों और शाखा कार्यालयों]	28	7वें सीपीसी का पे मैट्रिक्स लेवल-12 [रु. 15,600-39,100/- का पूर्व-संशोधित पीबी-3 प्लस रु. 7,600/- का ग्रेड पे]

*पद में रिक्तयों की संख्या आवश्यकता के आधार पर भिन्न हो सकती हैं। इसके अलावा, एनएचआईडीसीएल निर्दिष्ट और भावी रिक्तियों जो एनएचआईडीसीएल में जनित हो सकती हैं, को भरने हेतु चयनित उम्मीदवारों का एक पैनल बनाने का अधिकार सुरक्षित रखता है।

आवेदन की प्रस्तुति हेतु अंतिम तिथि: **15.03.2019 - (18.00 बजे)**

विस्तृत नियमों एवं शर्तों हेतु कृपया **www.nhidcl.com** पर जाएं।

टिप्पणी 1: सेवानिवृत्त अधिकारी(रों) जिन्होंने सरकार में सेवा की है या निर्धारित पात्रता मानदंड को पूरा करते हुए समकक्ष पदों पर हैं, पिछले पांच वर्षों की एपीएआर की प्रति के साथ निर्धारित प्रोफार्मा में अनुबंध आधार पर पद के लिए भी आवेदन कर सकते हैं।

टिप्पणी 2: इस रिक्ति परिपत्र में कोई परिवर्तन या संशोधन केवल एनएचआईडीसीएल वेबसाइट पर प्रकाशित किया जाएगा।

टिप्पणी 3: अधूरे आवेदन या जो निर्धारित तिथि के बाद प्राप्त होते हैं एकदम रद्द कर दिए जाएंगे।

अवसंरचना निर्माण, राष्ट्र निर्माण

MUNJAL SHOWA

मुंजाल शोवा लिमिटेड

सीआईएन: L34101HR1985PLC020934
पंजीकृत कार्यालय एवं वर्क्स: प्लॉट न. 9–11, मारूति इंडस्ट्रियल एरिया सैक्टर–18, गुरूग्राम–122015 (हरियाणा), फोन: +91-124-4783000, फैक्स: +91-124-2341359
ई-मेल: pgupta@munjalshowa.net वेबसाइट: http://www.munjalshowa.net

31 दिसम्बर, 2018 को समाप्त तिसरी तिमाही एवं नौ माह हेतु अनअंकेक्षित वित्तीय परिणामों के विवरण का उद्धरण

(₹ लाखों में, प्रति अंश डाटा के अतिरिक्त)

क. सं.	विवरण	31 दिसम्बर 2018 को समाप्त तीन माह हेतु (अनअंकेक्षित)	31 दिसम्बर 2018 को वर्ष से तिथि तक के अंक (अनअंकेक्षित)	31 दिसम्बर 2017 को समाप्त तीन माह हेतु (अनअंकेक्षित)
1	संचालनों से कुल आय	38993.86	130767.66	35629.59
2	कर एवं विशिष्ट मदों के पूर्व अवधि हेतु शुद्ध लाभ	1670.53	6776.13	1588.81
3	कर पूर्व एवं विशिष्ट मदों के पश्चात् अवधि हेतु शुद्ध लाभ	1670.53	6776.13	1588.81
4	कर एवं विशिष्ट मदों के पश्चात् अवधि हेतु शुद्ध लाभ	1224.95	4864.23	1119.64
5	अवधि हेतु कुल व्यापक आय (कर पश्चात्)	1224.95	4864.23	1119.64
6	समता अंश पूँजी	799.93	799.93	799.93
7	प्रति अंश आय (₹ 2 प्रत्येक) (असाधारण मद/मदों के पश्चात्)			
	– मूलभूत (₹ में)	3.06	12.16	2.80
	– डाइल्यूटेड (₹ में)	3.06	12.16	2.80

टिप्पणी:

उपरोक्त विवरण सेबी (सूचीकरण दायित्व एवं प्रकटीकरण आवश्यकताएँ) विनियम, 2015 के विनियम 33 के अन्तर्गत स्टॉक एक्सचेंजों के पास दाखिल किए गए त्रैमासिक वार्षिक वित्तीय परिणामों के विस्तृत प्रारूप का सारांश है। त्रैमासिक वित्तीय परिणामों का संपूर्ण प्रारूप स्टॉक एक्सचेंजों की वेबसाइटों: www.nseindia.com एवं www.bseindia.com तथा कम्पनी की वेबसाइट http://www.munjalshowa.net पर उपलब्ध हैं।

कृते एवं मंडल की ओर से
हस्ता./–
(योगेश चन्दर मुंजाल)
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
डीआईएन: 00003491

स्थान : गुरूग्राम
दिनांक : 4 फरवरी, 2019